रजिस्ट्री सं. डी एल—33001/94 REGISTERED NO. DL-33001/94

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 9, 1994 (आषाढ़ 18, 1916)

No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 9, 1994 (ASADHA 18, 1916)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4
[PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

(केन्द्रीय कार्यालय)

बम्बई, दिनांक 8 जून 1994

एसबीडी क्र. 9/1994—भारतीय स्टेट बैंक (सहयोगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 63 की उप धारा (1) के अंतर्गत दिए गए अधिकारों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर/हैदराबाद/इन्दौर/मैसूर/पटियाला/सौराष्ट्र/त्रावणकोर (अधिकारी) सेवा विनियमन, 1979 के विनियम 52(2) तथा 62(2) में निम्नलिखित संशोधन किया है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक एवं संबंधित सहयोगी बैंकों के निदेशक मंडलों द्वारा अनुमोदित है ।

विनियम 52(2)

'कोई भी अधिकारी सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी प्राइवेट उपक्रम में अपने पुत्र, पुत्री या अपने परिवार के किसी अन्य सदस्य को नियोजन स्वीकार करने की अनुमति नहीं देगा, जिसके साथ उसका कार्यालयीन लेन-देन हो या जिसके बारे में उसे यह जानकारी हो कि उस उपक्रम का उस बैंक के साथ कार्यालयीन लेन-देन है । किन्तु यदि नियोजन को स्वीकार करने के बारे में सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमति की प्रतीक्षा नहीं की जा सकती हो या उसे अन्यथा अत्यावश्यक समझा जाता हो तो सक्षम प्राधिकारी को नियोजन का प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख के तीन महीने के अंदर इस मामले की सूचना देकर नियोजन अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया जा सकता है जिसके संबंध प्राधिकारी की अनुमति बाद में ली जा सकती है ।

विनियम 62(2)

प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी प्रतिवर्ष जून के 30वें दिन से पहले उस वर्ष के 31 मार्च की स्थिति के अनुसार शेयरों, डिबेंचरों जैसी तरल परिसम्पत्तियों सहित अपनी चल, अचल और मूल्यवान सम्पत्ति की एक विवरणी बैंक को प्रस्तुत करेगा ।'

केन्द्रीय निदेशक मंडल के आदेशानुसार

ह./- अपठनीय

उप प्रबंधक निदेशक

(सहयोगी बैंक एवं नियोजन)

भारतीय फार्मेसी परिषद्

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 जून 1994

सं. 14-55/93 (पार्ट-1) पी.सी.आई./2447-2981.-फार्मेसी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय फार्मेसी परिषद् केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से एतद्द्वारा शिक्षा विनियम 1991 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —

1. (1) इन विनियमों का नाम शिक्षा (संशोधन) विनियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. शिक्षा विनियम 1991 में (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) विनियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"5. फार्मेसी में डिप्लोमा के भाग-1 पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हताएं—भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीवविज्ञान अथवा गणित विषयों सहित निम्नलिखित कोई परीक्षाओं में उत्तीर्ण हो —

(1) विज्ञान में इंटरमीडिएट परीक्षा।

(2) विज्ञान में तीन वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष।

(3) विज्ञान में 10 + 2 परीक्षा (शैक्षिक प्रणाली)।

(4) डिग्री-पूर्व परीक्षा।

(5) भारतीय फार्मेसी परिषद् द्वारा अनुमोदित उपर्युक्त किसी परीक्षा के समकक्ष कोई अर्हता।

परन्तु केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा यथास्थिति, समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए सीटें आरक्षित होंगी।"

3. उक्त विनियमों में विनियम 10 में सारणी 3 और सारणी 4 के स्थान पर निम्नलिखित सारणियां प्रतिस्थापित की जाएंगी अर्थात् :—

सारणी–III

फार्मेसी में डिप्लोमा (भाग I) परीक्षा

विषय	सिद्धांत के लिए अधिकतम अंक			प्रैक्टिकल के लिए अधिकतम अंक		
	परीक्षा	सत्र परीक्षा	कुल	परीक्षा	सत्र परीक्षा	कुल
फार्मेस्यूटिकल्स I	80	20	100	80	20	100
फार्मेस्यूटिकल-रासायनिकी I	80	20	100	80	20	100
भेषज गुणविज्ञान	80	20	100	80	20	100
जैव रसायनिकी और क्लिनिकल विकृति विज्ञान	80	20	100	80	20	100
शरीर रचना विज्ञान व शरीर-क्रिया विज्ञान	80	20	100	80	20	100
स्वास्थ्य शिक्षा और सामुदायिक फार्मेसी	80	20	100	—	—	—
कुल			600	+		500=1100

सारणी–IV

फार्मेसी डिप्लोमा (भाग II) परीक्षा

विषय	सिद्धांत के लिए अधिकतम अंक			प्रैक्टिकल के लिए अधिकतम अंक		
	परीक्षा	सत्र परीक्षा	कुल	परीक्षा	सत्र परीक्षा	कुल
फार्मेस्यूटिकल्स–II	80	20	100	80	20	100
फार्मेस्यूटिकल रासायनिकी–II	80	20	100	80	20	100
भेषज विज्ञान व विष–विज्ञान	80	20	100	80	20	100
फार्मेस्यूटिकल विधि शास्त्र	80	20	100	—	—	—
औषध भंडार व व्यावसायिक प्रबंध	80	20	100	—	—	—
अस्पताल व नैदानिक फार्मेसी	80	20	100	80	20	100
कुल			600	+		400=100

4. उक्त विनियमों में विनियम 14 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

14. सत्र-परीक्षा के रूप में रखा जाना

(1) फार्मेसी भाग 1 और फार्मेसी डिप्लोमा भाग-2 पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण देने वाली संस्था द्वारा, उस संस्था के प्रत्येक छात्र के संबंध में संस्था द्वारा आयोजित सिद्धान्त और व्यवहार की कक्षाओं और परीक्षाओं का रिकार्ड रखा जाएगा और सत्र परीक्षा के रूप में विषय के सिद्धान्त और व्यवहार दोनों के लिए 20-20 अंक होंगे।

(2) प्रत्येक शैक्षिक वर्ष के दौरान कम से कम दो आवधिक सत्र-परीक्षाएं होंगी। जिन दो सत्र परीक्षाओं में कुल प्राप्तांक अधिकतम होंगे, उन्हीं पर सत्र परीक्षा के प्राप्तांक आधारित होंगे।

(3) व्यवहार के संबंध में सत्र परीक्षा के अंक निम्नलिखित पर आधारित होंगे :—

(1) सत्र परीक्षा में वास्तविक कार्यनिष्पादन—10 अंक

(2) व्यवहार के कक्षा कार्य में दिन-प्रतिदिन का मूल्यांकन—10 अंक

5 उक्त विनियम में, परिशिष्ट-ख में, पैरा (ख) में "कर्मचारी" शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

"व्याख्याता

(1) शरीर रचना विज्ञान और शरीरक्रिया विज्ञान

(2) जैव रसायनिकी और क्लीनिकल विकृति विज्ञान

एम. फार्म.
अथवा
ब. फार्म के साथ व्यावसायिक/अध्यापन में 3 वर्ष का अनुभव
अथवा
एम. बी. बी. एस.

शिक्षण कर्मचारी का वेतनमान वही होगा जो अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा समय-समय पर बहुत तकनीकी संस्थानों के शिक्षा कर्मचारियों के लिए निर्धारित किया जाता है।

6. उक्त विनियमों में, परिशिष्ट "ग" में पैराग्राफ 6 के पश्चात् निम्नलिखित पैराग्राफ जोड़ा जाएगा अर्थात् :—

"7 परीक्षकों की नियुक्ति और फार्मेसी परीक्षाओं के आयोजन से संबंधित परीक्षा प्राधिकरण की परीक्षा समिति का अध्यक्ष और कम से कम एक विशेषज्ञ सदस्य जो फार्मेसी से संबंधित योग्यता रखता हो।"

देवेन्द्र कुमार जैन, सचिव
फार्मेसी कौंसिल आफ इण्डिया
नई दिल्ली-110034

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE

Bombay, the 8th June 1994

No. SBD No. 9/1994.—In exercise of the powers under Sub-Section (1) of Section 63 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, and as approved by the Reserve Bank of India and the Board of Directors of the concerned Associate Banks, the State Bank of India has approved the undernoted amendments in Regulations 52(2) and 62(2) of State Bank of Bikaner & Jaipur/Hyderabad/Indore/Mysore/Patiala/Saurashtra/Travancore (Officers') Service Regulations 1979 :—

Regulation 52(2)

"No officer shall, except with the prior permission of the Competent Authority, permit his son, daughter or any other member of his family to accept employment in any private undertaking which is obligated to the Bank through his official dealings or in any other undertaking which to his knowledge is obligated to the Bank.

Provided that where the acceptance of the employment cannot await prior permission of the Competent Authority or is otherwise considered urgent the matter shall be reported to the Competent Authority within three months from the date of receipt of offer of employment and the employment may be accepted provisionally subject to the permission of the competent authority."

Regulation 62(2)

"Every officer employee shall every year submit a return of his movable, immovable and valuable property including liquid assets like shares, debentures as on 31st March of that year to the Bank before the 30th day of June of that year."

By the Order of the Central Board
M. MANDAL
Dy. Managing Director
(Associate Banks & Planning)

Bombay, the 28th June 1994

The Thirty-ninth Annual General Meeting of the Shareholders of the State Bank of India will be held at Netaji Indoor Stadium, Eden Gardens, Calcutta-700 021 (W.B.) on Friday the 12th August, 1994 at 3-00 P.M. for the transaction of the following business :—

To receive the Central Board's Report, the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank made up to the 31st March 1994 and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.

D. BASU, Chairman

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 1st June 1994

No. U-16/53/93-Med.II(Guj.).—In pursuance of the Resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the owers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1950, I hereby authorise Dr M. B. Trivedi to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date he assumes charge for one year, or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Ahmedabad Centre, for areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (North West Zone) Ahmedabad for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

L. B. PARIYAR
Director General

No. CPFC. 1(4)/UP(900)/94/1741—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment namely:—

S. No.	Code No.	Name and address of the Estts.	Date of coverage
1.	UP/1189	M/s U.P. Industrial Co-operative Association Ltd, Sarvodaya Nagar, Kanpur	30-4-1962

Now, therefore, in exercise of powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner.

No. CPFC 1(4)/UP(630)/93/1744—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely;—

S. No.	Code No.	Name & address of the Estt.	Date of Coverage
1.	UP/16730	M/s. Ankit Enterprises, 393, Punjab Pura, Gali Pt. Chedalal, Bareilly.	1-3-92
2.	UP/16868	M/s. Prasanna Engineering Services, 29/43, Ghumani Bazar, Kanpur.	1-9-92
3.	UP/16719	M/s. Arrow Industrial Security Services, 120/296, Lajpat Nagar, Kanpur.	16-6-92
4.	UP/16728	M/s. Akash Security & Management Services, 227, Ghanshyam Puri, Aligarh.	1-2-92
5.	UP/16824	M/s. Puran Chandra Vidya Niketan, Barra, Kanpur.	1-9-92
6.	UP/16918	M/s. Bharat Security Services, Sumerpur, Hamirpur, Uttar Pradesh.	1-9-92

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

PHARMACY COUNCIL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 28th June 1994

No. 14-55/93(Part-I)/PCI/2447-2981.—In exercise of the powers conferred by section 10 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India, with the approval of the Central Government, hereby makes the following amendments in the Education Regulations 1991, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Education (Amendment) Regulations 1994.

   (2) They shall come into force from the date of their publication in the official gazette.

2. In the Education Regulations 1991 (hereinafter referred to as the said regulations) for regulation 5, the following regulation shall be substituted, namely :—

"5. Minimum qualification for admission to Diploma in Pharmacy Part-I course—A pass in any of the following examinations with Physics, Chemistry and Biology or Mathematics.

(1) Intermediate examination in Science;

(2) The first year of the three year degree course in Science,

(3) 10+2 examination (academic stream) in Science;

(4) Pre-degree examination;

(5) Any other qualification approved by the Pharmacy Council of India as equivalent to any of the above examination.

Provided that there shall be reservation of seats for Scheduled Caste and Scheduled Tribes candidates in accordance with the instrutions issued by the Central Govt./State Govts./ Union Territory Admns., as the case may be, from time to time.

3. In the said regulations, in regulation 10 for Table III and Table IV, the following tables shall be substituted, namely :—

TABLE III

DIPLOMA IN PHARMACY (PART I) EXAMINATION

Subject	Maximum marks for Theory			Maximum marks for practicals		
	Examination	Sessional	Total	Examination	Sessional	Total
Pharmaceutics-I	80	20	100	80	20	100
Pharmaceutical chemistry-I	80	20	100	80	20	100
Pharmacognosy	80	20	100	80	20	100
Bio-chemistry and Clinical pathology	80	20	100	80	20	100
Human Anatomy and Physiology	80	20	100	80	20	100
Health Education and Community Pharmacy	80	20	100	—	—	—
			600	+		500=1100

TABLE IV

DIPLOMA IN PHARMACY (PART II) EXAMINATION

Subject	Maximum marks for Theory			Maximum marks for practicals		
	Examination	Sessional	Total	Examination	Sessional	Total
Pharmaceutics-II	80	20	100	80	20	100
Pharmaceutical chemistry-II	80	20	100	80	20	100
Pharmacology & Toxicology	80	20	100	80	20	100
Pharmaceutical Jurisprudence	80	20	100	—	—	—
Drugs Store and Business Management	80	20	100	—	—	—
Hospital and Clinical Pharmacy	80	20	100	80	20	100
			600	+		400=1000

4. In the said regulations, for regulation 14, the following regulation shall be substituted, namely :—

14. award of Sessional marks and maintenance of records :

(1) A regular record of both theory and practical class work and examinations conducted in an institution imparting training for diploma in Pharmacy Part-I and diploma in Pharmacy Part-II courses, shall be maintained for each student in the institution and 20 marks for each theory and 20 marks for each practical subject shall be allotted as sessional.

(2) There shall be at least two periodic sessional examinations during each academic year. The highest aggregate of any two performances shall from the basis of calculating sessional marks.

(3) The sessional marks in practicals shall be allotted on the following basis :—

(i) Actual performance in the sessional examination 10 marks

(ii) Day to day assessment in the practical class work 10 marks

5. In the said regulations, in APPENDIX-B, in paragraph (B), under the heading STAFF, the following entries shall be added, namely :—

"Lecturer

(1) Anatomy & Physiology (2) Biochemistry & Clinical pathology	M. Pharm or B. Pharm with 3 years teaching/professional experience or M.B.B.S.

The pay scale of teaching staff shall be as prescribed by the All India Council for Technical Education for teaching staff of Polytechnics from time to time."

6. In the said regulations, in APPENDIX-C after paragraph 6, the following paragraph shall be added, namely :—

"7. The Chairman and at least one expert member of examining Committee of the Examining Authority concerned with appointment of examiners and conduct of pharmacy examinations should be persons possessing Pharmacy qualifications."

DEVINDER K. JAIN
Secy.-cum-Registrar

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1994
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1994